ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषिऔर प्रौद्योगिकीविश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक :24.11.2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-11-24 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	25/11/2023	26/11/2023	27/11/2023	28/11/2023	29/11/2023
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.0	26.0	25.0	22.0	24.0
न्यूनतम तापमान(से.)	8.0	10.0	11.0	9.0	8.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	75	75	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	6	8	6
पवन दिशा (डिग्री)	70	70	320	230	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	5	8	6	1

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (17 से 23 नवंबर) में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 27.0 से 30.0 डिग्री सेल्सियस और 12.0 से 13.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह मौसम साफ रहा। सुबह 0712 बजे सापेक्ष आर्द्रता 76 से 93% के बीच और शाम 1412 बजे सापेक्ष आर्द्रता 34 से 48% के बीच रही। हवा की गति 0.2 से 2.7 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज्यादातर उत्तर और उत्तर-उत्तर-पूर्व थी। आगामी 5 दिनों का पूर्वानुमान 27 नवंबर, 2023 को हल्की बूंदाबांदी यानी 2 मिमी वर्षा दर्शाता है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 22.0-26.0 डिग्री सेल्सियस और 8.0-11.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 6-8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं ज्यादातर उत्तर-पश्चिम, पूर्व-उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेंगी।अलग-अलग स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की वर्षा होने की संभावना है जबकि बाकी अवधि के दौरान शुष्क मौसम बना रह सकता है।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र के लिए विस्तारित सीमा पूर्वानुमान से पता चलता है कि पिछले सप्ताह के लिए जिलेवार साप्ताहिक औसत वर्षा 0 मिमी थी और पूर्वानुमान प्रवृत्ति 24-30 नवंबर के लिए सामान्य से लेकर सामान्य से कम अधिकतम तापमान और सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान के साथ बड़े पैमाने पर अधिक वर्षा पैटर्न का संकेत देती है। मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत" पर अपडेट की जाती है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। 18% ब्रिक्स वाले पेड़ी गन्ने की कटाई और तदनुसार प्रसंस्करण किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

27 नवंबर को बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है, इसलिए निर्धारित बुआई और अन्य कृषि कार्यों में देरी की जा सकती है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
गन्ने	बुवाई	शरद ऋतु में बोए गए गन्ने की निगरानी की जानी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर नियमित रूप से निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए, जबकि ताजा गन्ने की बुवाई के मामले में, फसल की आवश्यकता के अनुसार सिंचाई की जानी चाहिए। खेती के सभी कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए ही किये जाने चाहिए।
अरहर/अरहर (लाल चना)	कटाई/फूल/फली निर्माण	अगेती किस्मों की कटाई तब की जानी चाहिए जब 75-80% फलियां परिपक्व हो जाएं, जबकि देर से पकने वाली किस्मों के मामले में, फली छेदक की उपस्थिति पर अनुशंसित प्रथाओं को अपनाया जाना चाहिए। कीड़ों का पता लगाने के लिए फूल आने के समय खेत में 5-6 फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से लगाना चाहिए। यदि 2-3 दिनों की लगातार अवधि के लिए 5-6 मॉथ प्रति जाल देखे जाते हैं, तो निम्नलिखित कीटनाशकों में से एक का उपयोग किया जाना चाहिए यानी 500 सूड़ी तुल्यांक के लिए एनपीवी या बीटी 1 किलो/हेक्टेयर की दर से या इंडोक्साकार्ब 14.5 ईसी 353-400 मिलीलीटर की दर से या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 220 मिलीग्राम की दर से या स्पिनोसैड 45 एससी 125-162 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से। पूर्वानुमान के अनुसार कटाई के बाद दलहनी फसल का भंडारण अच्छी तरह से किया जाना चाहिए और खुले स्थानों में रखने से बचना चाहिए। इसके अलावा, हवा चलने और बारिश की स्थिति में कीटनाशकों के प्रयोग से बचना चाहिए
चना/मसूर	अंकुरण/फूल आना	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और 25-30 और 45-50 दिनों के अंतराल पर फसलों की निराई और गुड़ाई करनी चाहिए। खरपतवारनाशी के प्रयोग के मामले में 32 ई.सी. (पेन्डीमेथालिन 32 ईसी + इमाजेथापायर 2 ईसी) जैसे रसायन 1.0 किलोग्राम 200-250 लीटर पानी में डाला जा सकता है। कीड़ों का पता लगाने के लिए फूल आने के समय खेत में 5-6 फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर लगाना चाहिए। यदि 2-3 दिनों की लगातार अवधि के लिए 5-6 मॉथ प्रति प्रपंच देखे जाते हैं, तो निम्नलिखित कीटनाशकों में से एक का उपयोग किया जाना चाहिए यानी 500 सूड़ी तुल्यांक के लिए एनपीवी या बीटी 1 किलो/हेक्टेयर की दर से या इंडोक्साकार्ब 14.5 ईसी 353-400 मिलीलीटर की दर से या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 220 मिलीग्राम की दर से या स्पिनोसैड 45 एससी 125-162 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से । अनुमानित

		वर्षा की स्थिति में खेती के कार्यों को टाला जा सकता है।
राइ एवं तोरिया (लाही) / पीली सरसों	अंकुरण/फूल आना	देर से बोई गई फसलों की निगरानी करनी चाहिए और फूल आने से पहले हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सिंचाई के बाद नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। कीटों और बीमारियों की उपस्थिति की जाँच करें। तुलसिता रोग में पत्तियाँ पीली होकर सूखने लगती हैं जबकि सफेद गेरुई रोग में प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों पर हल्के पीले धब्बे दिखाई देने लगते हैं और पत्तियों की निचली सतह पर सफेद फफोले बन जाते हैं, जो बाद में फूलों की व्यवस्था को बिगाड़ देते हैं। तुलसिता की रोकथाम के लिए मेटालैक्सिल 35 डब्ल्यू एस या रिडोमिल एम जेड 72 2 किलोग्राम 500 लीटर पानी में मिलाकर 1-2 बार छिड़काव करना चाहिए। यही रोकथाम सफेद रतुआ रोग के लिए भी मान्य है, रिडोमिल एम जेड 72 2.5 किलोग्राम को 800-1000 लीटर पानी में घोलकर 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए। माहूँ कीट को नियंत्रित करने के लिए, जब कीट आर्थिक क्षति स्तर (10-15 पौधों पर तने की 10 सेमी ऊपरी शाखा पर 26-28 माहूँ) से ऊपर पाया जाए तो डाइमेथोएट 30 ईसी 500 मिलीलीटर का प्रयोग करें या थियामेथोक्जाम 25 डब्लू जी 100 ग्राम प्रति हेक्टेयर 600-700 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करना चाहिए। अनुमानित वर्षा की स्थिति में खेती के कार्यों को टाला जा सकता है।
गेहू	बुवाई/ अंकुरण	शीघ्र पकने वाली किस्मों की बुआई माह के दूसरे पखवाड़े में करनी चाहिए. शुष्क परिस्थितियों में पहली सिंचाई 25-30 दिन के अन्तराल पर करनी चाहिए। वर्षा की स्थिति में बुआई में देरी होगी इसलिए पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए ही बुआई शुरू की जानी चाहिए।
जौ	बुवाई/ अंकुरण	सिंचित अवस्था में फसल की बुआई माह के दूसरे पखवाड़े में करनी चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार ही खेती का कार्य करना चाहिए।
चारा फसल	बुवाई/ वनस्पति	फसलों की निगरानी की जानी चाहिए और शुष्क परिस्थितियों में सिंचाई की जानी चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार ही खेती का कार्य करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाहः

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
सब्जी मटर	अंकुरण/फूल आना	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और 25-30 और 45-50 दिनों के अंतराल पर फसलों की निराई और गुड़ाई करनी चाहिए। खरपतवारनाशी के प्रयोग के मामले में 32 ई.सी. (पेन्डीमेथालिन 32 ईसी + इमाजेथापायर 2 ईसी) जैसे रसायन 1.0 किलोग्राम 200-250 लीटर पानी में डाला जा सकता है। कीड़ों का पता लगाने के लिए फूल आने के समय खेत में 5-6 फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर लगाना चाहिए। यदि 2-3 दिनों की लगातार अवधि के लिए 5-6 मॉथ प्रति प्रपंच देखे जाते हैं, तो निम्नलिखित कीटनाशकों में से एक का उपयोग किया जाना चाहिए यानी 500 सूड़ी तुल्यांक के लिए एनपीवी या बीटी 1 किलो/हेक्टेयर की दर से या इंडोक्साकार्ब 14.5 ईसी 353-400 मिलीलीटर की दर से या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 220 मिलीग्राम की दर से या स्पिनोसैड 45 एससी 125-162 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से । अनुमानित वर्षा की

		स्थिति में खेती के कार्यों को टाला जा सकता है।
मूली	बुवाई	यूरोपीय किस्म को 6-8 किग्रा/हेक्टेयर और एशियाई किस्म को 10-12 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोया जा सकता है, जबकि लाइन से लाइन की दूरी 20-25 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 8-10 सेमी होनी चाहिए। वर्षा की स्थिति में बुआई में देरी होगी इसलिए पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए ही बुआई शुरू की जानी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	बदलते मौसम के साथ पशुओं के नवजात शिशुओं में निओमोनिया की संभावना अधिक रहती है। इसलिए सलाह दी जाती है कि पशु शेड को ठंड से बचाना चाहिए और पशुओं को गर्म भोजन देना चाहिए।
गाय	मानसून के बाद आहार नाल में विभिन्न प्रकार के आंतरिक परजीवी उत्पन्न हो सकते हैं इसलिए सबसे पहले पशुओं को दवा यानि कृमिनाशक दवा देनी चाहिए।